

DPN 5912

Title : मन्त्र सफू MANTRA SAPHU

Run. No. 6603

Cat. No.

Micro. No.

Subject ~~Form~~ Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नेपालभाषा निर्देश है
new direction

Size in cms. 20.5 x 9

Folios 34

Lines (in a page) 9/10 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्रनाथ

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya^ssaphu /

टिप्पणी - हाम्रो आधारित ।

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Remark Based on Hara mahala

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ यायययाय नयदित न द्विंद न न न सा डि न श्री स न स नि वा च हा
 यिषमिषद नि य हा मू गु टि ॥ ॥ धम नु धा न न च क न ऊ य न
 वं मा न स य य मा चा व य म दू यो व य क इ ना ॥ ॥ ॐ सा नि सा नि म
 हा मा ना सा न मा च ना य हा दू र द स्वा हा ॥ ॥ धम नु धा न न च क न ऊ य न
 ऊ य न यं ना न क च क न ऊ य न यं य न स स य सा न क म द डाय
 क द य क इ ना ॥ ॥ ॐ न मा र ग व ल य ग नू ज य दौ मा का य स्य स्य
 स्य स्य न मं न मं न स्य हा ॥ ॥ धम नु धा न न क न न का न न या

न च स्य का इ वा य कं वा न क या न ग द न इ इ व वि य म दू य
 क न हा इ न ॥ ॥ ॐ व ड न न नि व ड वा न गी य व ड व वा च नि य दू र
 द स्वा हा ॥ धम नु धा न न च क न ऊ य न यं नि य मि का च क ॥ ॥
 दै म या द दू य ड व न सा व न सा ना गाम सि य इ व व न सा व न
 सा सि य य य नि र धा न या नं या न न व य ॥ ॥ धम न क न व व व न
 स थ व दू मा स न सा व व स्य या ड दू य इ ना ॥ ॥ ॐ व ड या नि य ड
 य ड गी का हा न ड या न इ न वि जू ज ॥ ॥ धम नु धा न न च क न

ॐ यत्र यत्र नानं मिमांसा नं ज्ञया प्रया दामा ल कुरु ना ॥ ॐ नमः
ॐ नमः ॥ ॥ ॐ ह म र स तु न ह य र द व व न ह स र व ध र या द व
ध र द ह र क न ला ह र ह र ह र ह र ॥ ॥ ग न वा क सि म्ब ज गु ना
हा य कं ज व या य ध १००० थ व क स न मं ह न ला य थ म ला व क ॥

ॐ ह म र स तु न ह य र द व व न ह स र व ध र या द व
ध र द ह र क न ला ह र ह र ह र ह र ॥ ॥ दि ग व स्य ध क क नं व स ह
स ज व न य नान क य न इ न मि क म् वा न नान वा य क ह ना

यि क्वा व या र न क सि ना नि ता न ना य र्व ॥ ॥ ॐ ह म र स तु न ह य र
द व व न ह स र व ध र या द व ध र द ह र क न ला ह र ह र ह र ॥ ॥
ग न वा क सि म्ब ज गु ना हा य कं ज व या य ध १००० थ व क स न मं
ह न ला य थ म ला व क ॥ ॥ सि द्वा गु नु ज ह ॥ व ड सूर्य ग म न क
ज म्ब न नि मा क न इ ना न ह म क न सि दि इ य र्व ॥ व थ म
न य नु क म्ब दि व य म नु क म्ब न नृ व स नु ना स अ व नु थ
ना ग ह्वा द न य अ म ड य का अ व स म धा नु स ग ह ॥ द न

[illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

KURZ VORHERRSCHENDE KUNST DER VERWIRKLICHUNG

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible][illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

~~॥ श्रीगणेशाय नमः ॥~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the top page of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Some characters are highlighted in red ink, possibly indicating specific words or markers. The script is dense and characteristic of Sassanid-era inscriptions or documents.

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the bottom page of a manuscript. The text is arranged in approximately 6 horizontal lines. Similar to the top page, some characters are highlighted in red ink. The script is consistent with the one on the top page.

A heavily obscured and darkened section of text at the bottom of the manuscript, possibly due to ink bleed-through or damage. Some faint characters are visible, but the text is largely illegible.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
 दप्रथमोऽध्यायः ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ॥

[illegible]

[illegible]

10

5

0 ctms. 5 10 15 20

Handwritten text in an ancient script, likely Tamil, on a palm leaf. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. At the top left, there is a line that appears to be a date or reference: "சுதா 15-12-1950". To the right of this, there is a line that reads "யா 15-12-1950". The main body of text consists of several lines of script, some of which are partially obscured by a vertical crease or fold in the leaf. The script is dark and appears to be ink or a similar substance applied to the surface of the leaf. The leaf itself is brown and shows signs of age and wear.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
कौरवपुत्राश्च पाण्डवपुत्राश्च ॥ तदा द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं धर्मं प्रतिपाद्य
तस्मात्प्रसादात्तव शिष्यैर्धर्मविजया ॥ अथ श्रीभगवानुवाच ॥ सर्वज्ञानं
सर्वभूतहितं सर्वलोकपालनं ॥ सर्वशक्तिं सर्वशक्त्या विनाशकं
सर्वशक्त्या विनाशकं सर्वशक्त्या विनाशकं ॥ सर्वशक्त्या विनाशकं
सर्वशक्त्या विनाशकं सर्वशक्त्या विनाशकं ॥ सर्वशक्त्या विनाशकं
सर्वशक्त्या विनाशकं सर्वशक्त्या विनाशकं ॥ सर्वशक्त्या विनाशकं
सर्वशक्त्या विनाशकं सर्वशक्त्या विनाशकं ॥ सर्वशक्त्या विनाशकं

[illegible]

15

कुक्षिय
मूल

लोहादिदुंदुट॥ धनमन्त्रियासामसया कालमंतुधरुता॥ ॥ इदं वं
 नुर्वधन॥ निर्वधन॥ अत्रिर्वधन॥ अर्वधन॥ साहावंदन॥ करुनययि॥ सात्रहा
 कं हन स्याहा॥ धनमन्त्रियासामसया कालमंतुधरुता॥ ॥ इदं वं
 ॥ धूत्रिनवृचियरुता॥ ॥ इदं सर्वकुक्षिमिभ्राहा॥ इदं जमसुभाहा॥ धर्मननका
 यत्रया॥ लोहायानजालनात्रसकयकत्रथायुश॥ ॥ इदं नक्रजमंत्रजा
 हं नत्रकुमानात्रनि॥ याक्रवगत्रा॥ वक्रियत्रमहं हं न स्याहा॥ धर्मननकात्रजजय
 त्रय॥ धकायात्रयकायाशंजयत्रया॥ शाननक॥ अत्रिवात्रयादामग्यत्रकशुना
 ॥ ॥ इदं नूत्रना॥ अत्रिदुनहि न जास्याहा॥ धर्मननकात्रउखुका॥ जयत्रयाश
 त्रिहात्र॥ हिनत्रात्रकास्य॥ ॥ इदं जयानियिदग्या॥ कारुत्र॥ उद्याने॥ दूतवित्रमग्या॥
 ॥ धर्मनन॥ धासुत्रयजयत्रवैनाम॥ मिमीसिताजननयवात्रयाचमदयकशुना
 धमनाननरव॥ त्रिमत्रातक॥ जयवात्रमग्यात्रक

रुद्राय नमः
रुद्राय नमः
रुद्राय नमः

10

रुद्राय
नमः

इदं नमाशीशीशीजनसायनम॥ ॥ रगुत्रुशग्या॥ इदं नमायात्रवति॥ इदं नमागनयति
 नम॥ इदं श्रीयमगुत्रुकाशग्या॥ ॥ इदं विद्विद्रुनस्याहा॥ धनमन्त्रियासामसया कालमंतुधरुता॥ ॥ इदं वं
 न॥ धकायात्र॥ जयत्रय॥ कवयत्रमहं हं न स्याहा॥ धर्मननकात्रजजय
 त्रय॥ ॥ रगुत्रुशग्या॥ इदं नूत्रदश॥ गुत्रुयहाद॥ जगिनि॥ वधवृ॥ क्रवात्रवधवृ॥
 यननिर्वधरुद्रुनिनिर्वधवृ॥ दूयिरुथत्राक्रम॥ ववृजमानंद॥ विसानिला॥
 ईयना॥ वत्रयसाद॥ धनमन्त्रियासामसया कालमंतुधरुता॥ ॥ इदं वं
 धकात्रहंजा॥ रुत्रउथलद॥ नथायमंत्र॥ कृसुत्रयवृषथायमया॥ सात्रहक
 या॥ नानमाकासिजानत्र॥ श्रयमनडा॥ तात्रधमसथात्रात्रात्रना॥ रगुत्रुशग्या॥
 ॥ इदं हंयाय॥ तम्यवृत्र॥ धकात्र॥ उ००॥ जाहत्रहं॥ धर्मनन॥ हिनत्रात्रकास्य॥

रुद्राय नमः
रुद्राय नमः
रुद्राय नमः

0 cms.

5

10

15

20

15

10

थम दाजसिह नयथान थजक दधन काज ॥ कुतिन न नाज ॥ थम पुत्रय ॥ अत्र ३ थमित्र
 थमयज्ञ ॥ ॐ आदित्यय न थवथान ॥ वासु दववत्रन ॥ गनुठ यक्रि मियात न हया
 गकात्र ॥ लाहा ॥ थमं न नखत्रसया ॥ थम दाजधन ३ जयत्रय ॥ न थमयमं नु रना ॥
 ॥ रवजया ॥ सयक्र सुनायनय ॥ अत्र सकू नू रया हा ॥ थमं न ॥ सजयत्रय ॥
 वासुजाना मं ॥ ॥ ॥ ॐ गवाय ॥ विसाकं थनित्रकं थवत्रा न ठ ॥ आसिक गनुठ
 कि आया ॥ अत्र ३ गद वाकासी ॥ वियाक ॥ सजयत्रय कयके ॥ विनकाक ॥ यमय
 यज्ञा ॥ लाकू जनि के न हया ॥ न गमं ॥ ॐ नयत्रा ना ॥ जग ॥ विवयनमना
 हि ॥ वत्रनसक ॥ ओयन थनजा ॥ हनुवाय ॥ यमयायक विनात्र न थमं नु रना ॥
 ॥ ॐ सरुसनात्रि ॥ यानि ॥ अत्रयि हं सिद्धि ॥ अत्र २ थमं नु यत्रडा ॥ वात्रहव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

हिमि
 व
 वास्या
 केरा
 देवद
 या
 थक्रा
 रुदाय
 देव
 वा

य ॥ वात्रसवा विविक् ति वद न यद्वि द्वि यमं ॥ ॐ नखमनयत्रिया ॥ अरु मनय
 त्रिया ॥ थमिसया अरु न मं ॥ सगिसिनायाक आ ॥ ह्या ॥ अत्र ३ व स ॥ यत्र सा
 य ॥ गथि द्वि स्यं अत्र ॥ हि द्वि यमं नु रना ॥ ॥ ॐ कि न लाहा ॥ सव्वि कि न लाहा ॥
 थमं न न अत्र न वा हं ॥ वास्या कया ॥ ॐ र्व गत्रनिका ल्यले ॥ वड न का थ ॥ ॐ दय
 काकनवे ॥ गद गु ज स ज या थ दडा ॥ कातिक हिरवाय ॥ सस ॥ वदयि माके ॥ ॥
 गुत्रयाजा न ॥ थमं न न अत्र न स्य नू पु न स्य नयय ॥ दद ॥ अया ॥ ॥ ॐ गुत्र
 शक्रा ॥ ॐ नात्रि वि नात्रि ॥ माहारिमं नु रना ॥ अत्र २ य स का जयत्रया ॥ अत्र ३
 थि र्वि यक्र वायक ॥ थक्र जद द्वि रना ॥ ॐ कू ॥ कू ॥ सयवि च व थनकत्रन ॥ वा
 कयन ॥ हनयन ॥ सखायि न याक आ ॥ अत्र ३ दद डा अया वि नु नि जयत्रया
 अ ॥ स्रु ना स्य रना ॥ ॐ कात्र गंद निल गंद गं अत्र मना ग कि समूड ॥ वं डसा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之四

दागिनिनमस्तु कुरु प्रा॥ ॐ शुभ आ ग्या॥ ॐ नमो सा गि वाय ॥ दागिना गम ॥ रुसा
 गुरु आ ग्या सा हमा रुं थ व दू त्रि स वा द वा का या व ॥ जय न वा व ॥ थ हा वू न न
 दू नो अ थ मं चि त न न न य ॥ दा गी नि न म रु य कं प्रा॥ ॐ शुभ आ ग्या ॥ को म
 क म र्वा ॥ द वि ले य व न ॥ स वा कि रि ग म यि द ॥ न अ क्क ना ग य ति त्रि ॥ द अ
 नाना व मा वि ॥ गम ॥ कुरु गुरु वा ॥ व त्रि क वा न ॥ मा त्रि रू गू नि गू नू कि स ग
 ति ॥ व व न न रा ख य ॥ यं व र्ध द मा ॥ स गि सि ता क व व न ॥ थ मं न न ॥ ग्व य ॥ ग्व
 न ॥ श्री ॥ थ ग्व ना ज य न वा अ न क ॥ व सि क म्म सै न ॥ का स न क म ॥ ॥ ॐ श्री शिव
 जय मा हा मा त्री रु न स व कू म ह रु न ह्या ह ॥ ॥ थ न ग सि ध ज व न वा अ ॥ सि
 सा कि त क ॥ व सि क म्म रु प्रा॥ ॥ ॐ का त्रि व ज का त्रि ॥ मा हा का त्रि ॥ यं क रु वा

वसिक
न॥
क
वसिक
न॥

नस्त्रायिडाशुगो॥ ॥ **महादुखानवाता** जानकायाडा **युगु** **संरागयाडा** नून
 याडाडा **कस्तिनवाता** डा **निंगसलवनयाडा** डा **आयनयायडा** गाम ॥ **शीसियु**
माकनया **निंगकाया** डा **वनववाता** डा **थडा** **निंगसयाय** **नित्री** **आयनयाय** डा
 गोम ॥ **रकयिनिया** **दुदवाकाया** डा **जानिसुकिनके** **संगसयाय** ॥ **थुका**
सनथि **जिनिलानके** **थडा** **जसदिय** **निंगसयाय** **कासउदनयाय** ॥
रखवाकाया **कागमा** **नियाडा** **धनशनायवाता** डा **दुदसदास्य** **वेगुके** **डाडा** **सा**
खनवाता **जानस्य** **सुद्धिमिसा** **का** **काससिडा** **त्रेथिडा** **डा** **गोम** ॥ **रवात्र** **शीखंद**
काथयत्र **कुशु** **थनि** **संरागयाडा** **मानसयि** **डा** **व्यासमदय** **कुरुगोम** ॥
रसिनरवात्र **सवेव** **गमत्र** **खधिनीस्य** **कादान** **व्याकसकथ** **डा** **गोम** ॥

खकनामून **यिवात्रि** **वेवकनरु** **खराजन** **वृयकेसत्र** **कस्तिननवाता**
जानके **अनसवाता** **जानके** **रंदका** **निनि** **त्रिकुसुरुन** **जिडा** **डा** **गोम** ॥ ॥
कगला **कुइधन** **खान** **त्रका** **वेलका** **ययम** **लूवके** **खान** **सिथलास** **थलिन**
यथना **निलिडा** **माहा** **त्रयजी** **डा** ॥ **जिलिखान** **त्रका** **सुसधून**
जानिसुकिनके **सिडा** **स** **यत्रख** **चत्रयाय** **जिडा** ॥ **रकाकमा** **माली**
जान **कथगालि** **थुनि** **नलवनरा** **खन** **सिसाई** **दनि** **चायक** ॥ **रसि**
विगु **बू** **ग्या** ॥ **शीखंद** **कुकुस** **दडा** **वात्र** **लूवके** **सत्र** **नूत्र** **कंगि** **थुनि** **सम**
राजन **सवरु** **धूयधन** **कसकुरुय** **सिद्धिदूयक** **इला** ॥ ॥ **अनसवाता**

यथमथनसिद्धि
 सिद्धि
 यथमथनसिद्धि
 सिद्धि

15

10

5

0 cms.

5

10

15

20

[illegible]

॥ सुमनुन ॥ दहिनावनकयाय ॥ वामवनकनवाय ॥ यकसिनी ॥ त्रिकुंनमन
 ॥ ॥ उंवजयानिधिच ॥ र्णकाकाहनवृद्धावनदग ॥ ॐ जगत्सर्व ॥ ॐ ॥ ल
 रवजयजालके ॥ मिसान ॥ अथवात्रयायसरुयके ॥ ॐ ॥ सत्रिदाव ॥ सा
 ददेजनक ॥ वृख ॥ कसुंस्त्रामादयाडा ॥ दसनाखने ॥ सिलेजतदासखने
 ॥ वृख ॥ कसुंस्त्रामादयाडा ॥ दसनाखने ॥ सिलेजतदासखने
 डाकाकात्रनयवृख ॥ ॐ ॥ रवयत्रसिदयाडा ॥ वनखनिनाखडाडा
 नके ॥ वृख ॥ ॥ क्काकजाडा ॥ केहिचनेके ॥ वृख ॥ ॥ दिक्कादियाकि
 स ॥ थसचुकेलेदे ॥ वृख ॥ विजये ॥ थसचुनाव ॥ रिसनय ॥ मोननवि
 द्या ॥ ॐ ॥ धूनिवृखसजागधाय ॥ ॐ ॥ उंसिद्धिगुन ॥ आसा ॥ सखिनका

अथ

नृधयाव. त. त्रुजयस. नामवायाज. नूगत्रसथन. जाययाय. थ. मूँ
 यीममवादि. न. क. न. य. न. य. ला. दा. ॥ **थ. म. न. म. सा. व. स. या. च. यी**
डि. ड. रा. व. ॥ उ. गु. न. आ. ला. ॥ क. उ. थ. जा. य. या. य. ॥ मूँ. यी. म. म. वा. चि.
 न. रे. त्र. ज. न. न. म. ला. दा. ॥ **थ. म. थि. या. ज. जा. य. या.** ॥ **न. र. य. ॥ ६**
 मि. ता. यि. वा. य. के. थ. थ. ॥ ड. ड. रा. नो. ॥ **वा. ड. सि. ॥** **म. सा. वा. सि. क. ड. ॥** **द. व. न.**
 जा. नि. व. ॥ **ज. स. त्र. न. ॥** **ग. ध. व. न. जा. नि. ड. ॥** **ना. थ. क. ज. लि. क. ड. ॥** ॥
य. क. न. जा. नि. ड. नि. व. ॥ **या. ड. क. ड. ॥** ॥ **य. रा. न. जा. नि. ड. ॥** **ये. वि. क. ड. ॥** **थ. मा.**
न. र. कि. ॥ **ना. दा. ॥** ॥ **ना. ग. न. ॥** **ना. क. स. न. जा. नि. ड. ॥** **वा. ड. स. ॥** **यि. सा. व. न. जा.**
नि. ड. ॥ **व. ड. द. स. क. ड. ॥** ॥ **स. स. श. य. सु. वि. श. य. ॥** ॥ **न. सा. क. ला. न. स.**

॥ **प्र. य. श. यि. व. ॥** **स. स. क. न. न. वा. य. व. ॥** **व. य. नि. स. य. ॥** **का. प्र. क. ल. ॥** ॥ **व. न.**
नि. म. ला. व. ॥ **व. क. च. न. ॥** **द. व. गु. वृ. नि. दा. या. क. ॥** **कु. ख. ड. क. ॥** **मि. रा. क. न.**
क. ह. न. क. ड. ॥ **र. य. स. व. ड. ॥** **गु. त्रि. न. स. न. ॥** **स. भा. ख. श. व. ॥** **जा. ला. का. ड. ॥** **थ. थ.**
द. न. दा. ड. ॥ **ज. स. त्र. न. ड. ॥** **दा. ल. क. न. ॥** ॥ **जा. ला. स. ला. व. स. श. व. ॥** **दि. त्र.**
व. वा. प्र. गु. गु. वा. य. ॥ **जा. या. रा. प्र. य. ॥** **त. सा. क. स. व. न. स. ॥** **यु. ला. ड. ड. ॥** **या.**
ख. न. ड. या. गु. ला. प्र. य. ॥ **वि. क. नि. ता. स. ॥** **प्र. य. व. ॥** **थ. थ. श. न. दा. व. ॥**
ग. ध. व. न. जा. दा. प्र. क. ल. ॥ **वा. मि. वा. ॥** **दा. ड. य. ॥** **सा. न. का. य. प्र. स. य. ड. ड.**
डा. प्रा. ग. ॥ **का. ड. का. य. प्र. स. य. ॥** **दा. ड. व. ॥** **प्र. य. श. ड. ॥** **क. ग. ध. य. ड. वा. ग.**

15

10

दाय द्वाक न अरु द्वाक सहनयेरुन न ज वन द्वा अयन वन द्वा
दाय द्वा उरुन ज दानन ॥ ४३ ॥ **ॐ संत निरुदं २६ ॥ ॐ गुरु २६**
२६ ॥ ॐ गुरु २६ ॥ ॐ गुरु २६ ॥ ॐ गुरु २६ ॥ ॐ गुरु २६ ॥
श्रुतं युका व काया लयि यता न नय हला धालन ॥
ॐ व ज वा ला दिस व ह द द य व न न क द न ॥ ॐ व ॥ दया गाल
याय स न ॥ ॐ ॥ २ वि ज य म द न सानि इ न व स द न ॥ ॐ व ॥ ३
च क न ज व न ल य खाल स धी य ॥ ॐ व न व य ल न ल ल न य

5

द व लि ग सा द द धा धाल ॥ श्रुतं ज व यु का य क ज व ल या न य
व न ल न न य र ल ॥ ॐ सान न न ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥
धु ल व ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥
सिद्धि सिद्धि न स म ध न सिद्धि धालन विक न ज ज व ल या व धं स क म ॥ २० ॥
॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥
ॐ दाल स न ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॐ ॥ २ ॥
धाल

२२ लूखा या या वया द्वाय न माक्ष न रयामसा क न क। थाला
पु वसा साध ग लु शगा यल क व न क न उं ज न

सम्य न ५० ५ वी आस्य त सद छी ला ज स मू र व न ॥ सां सुं क व नु द हा
वृक्ष लू मा द स क य न य क यू ज स मू र व न ॥ सी ग वृक्ष गुथि या ताम्र त
मा हा त ४ शा न ज्ञा की ची वा ल ग लू ला नू मा हा २

सहस्रक। उं न मा ग न न न न न न न